an>

Title: Need to formulate and implement a scheme to provide clean drinking water to people in Rajasthan.

श्री ओम बिरला (कोटा) : राजस्थान सहित देश के 78 हजार गाँव-ढाणियों में रहने वाले लगभग 4.77 करोड़ लोग फ्लोराइड, आर्सेनिक, आयरन, सैलीनिटी अथवा नाइट्रोजनयुक्त पानी पीने को विवश हैं जिनके कारण उनमें विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रसित होने की प्रबल संभावनाएं रहती हैं। राजस्थान, बिहार व उत्तर प्रदेश सहित कई राज्य अशुद्ध पेयजल के उपयोग से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। अकेले राजस्थान में 14 हजार से अधिक गाँव-ढाणियाँ फ्लोराइडयुक्त पानी पीने को विवश हैं। यहाँ उल्लेखित करना चाहता हूँ कि देश में सर्वाधिक सूखा प्रदेश राजस्थान ही है जहाँ केवल 1 प्रतिशत सतही जल एवं भूजल उपलब्ध है। ऐसी स्थिति में राज्य की जनता विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना हम सब की जिम्मेदारी के साथ-साथ एक चुनौती भी है जिसे दूर किया जाना अत्यंत आवश्यक है। फ्लोराइडयुक्त पानी पीने से जो दुष्प्रभाव सामने आते हैं, वे अत्यंत भयावह हैं। फ्लोराइड की अधिक मात्रा के कारण शरीर पर विभिन्न प्रकार के विकार उत्पन्न हो जाते हैं जैसे असमय बाल झड़ जाना, अस्थियाँ कमजोर हो जाना, दाँत खराब हो जाना तथा वृद्धावस्था के लक्षण आ जाना आदि दिखाई देने लगते हैं।

अतः सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान की जनता को फ्लोराइडयुक्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अतिशीघ्र विशेष कार्ययोजना बनायी जाए।